Navodaya Kranti Chart Book

विद्यालय का नाम...

नवोदय क्रांति मोटिवेटर श्री नरेंद्र रोहिल्ला जी
राजकीय प्राथमिक पाठशाला घुकांवाली, सिरसा हरियाणा (9017597941)
ई बुक डिज़ाइनर :- श्री गौरव चौहान जी गुजरात
प्रेरणास्त्रोत :- नवोदय क्रांति परिवार भारत

सबके लिए सरकारी शिक्षा बेहतर हो हमारी शिक्षा

www.navodayakranti.com navodayakranti@gmail.com

सबके लिए सरकारी शिक्षा बेहतर हो हमारी शिक्षा

सबके लिए सरकारी शिक्षा बेहतर हो हमारी शिक्षा

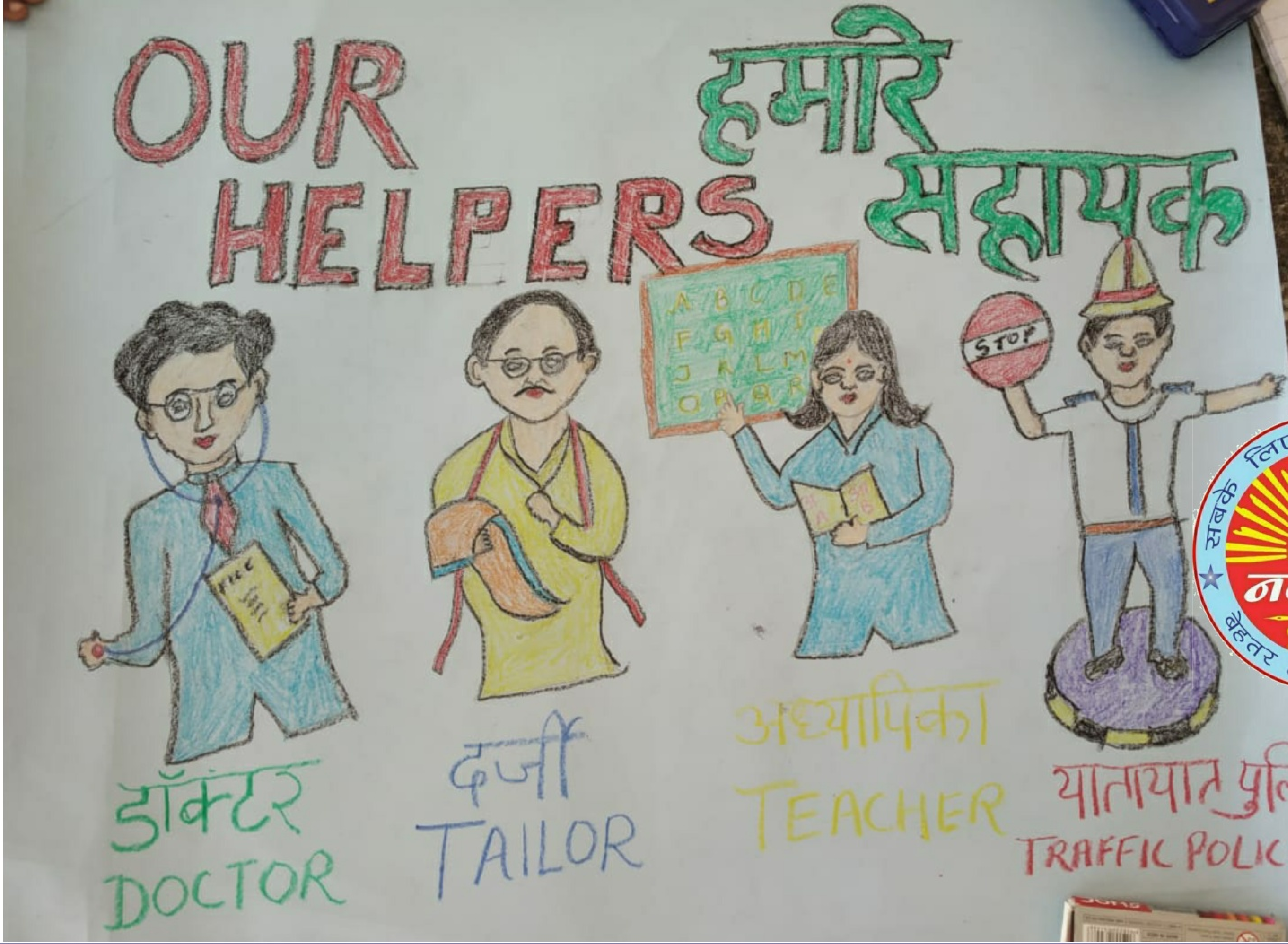

सबके लिए सरकारी शिक्षा
नवोदय क्रांति
बेहतर हो हमारी शिक्षा

सबके लिए सरकारी शिक्षा बेहतर हो हमारी शिक्षा

सबके लिए सरकारी शिक्षा
चलो चले सरकारी स्कूल
नवोदय क्रांति
बेहतर हो हमारी शिक्षा

सबके लिए सरकारी शिक्षा बेहतर हो हमारी शिक्षा

स्वामी विवेकानंद जी

स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को कोलकत्ता में हुआ। उनके पिता का नाम विश्वनाथ दत्त और माता का नाम भुवनेश्वरी देवी था। सन्यास धारण करने से पहले आपका नाम नरेन्द्रनाथ दत्त था व आप नरेन्द्र के नाम से भी जाने जाते थे।

आपका परिवार धनी, कुलीन और उदारता व विद्वता के लिए विख्यात था। विश्वनाथ दत्त कोलकत्ता उच्च न्यायालय में अटार्नी-एट-लॉ थे। वे कलकता उच्च न्यायालय में वकालत करते थे। वे एक विचारक, अति उदार, गरीबों के प्रति सहानुभूति रखने वाले, धार्मिक व सामाजिक विषयों में व्यवहारिक और रचनात्मक दृष्टिकोण रखने वाले व्यक्ति थे। भुवनेश्वरी देवी सरल व अत्यंत धार्मिक महिला थी। स्वामी विवेकानंद जी 9 भाई-बहन थे। इनके गुरू का नाम रामकृष्ण परमहंस था। स्वामी विवेकानंद जी की मृत्यु 4 जुलाई 1902 को 39 साल की उम्र में मृत्यु हुई थी।

कथन:→

उठो जागो, और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो।

सबके लिए सरकारी शिक्षा बेहतर हो हमारी शिक्षा

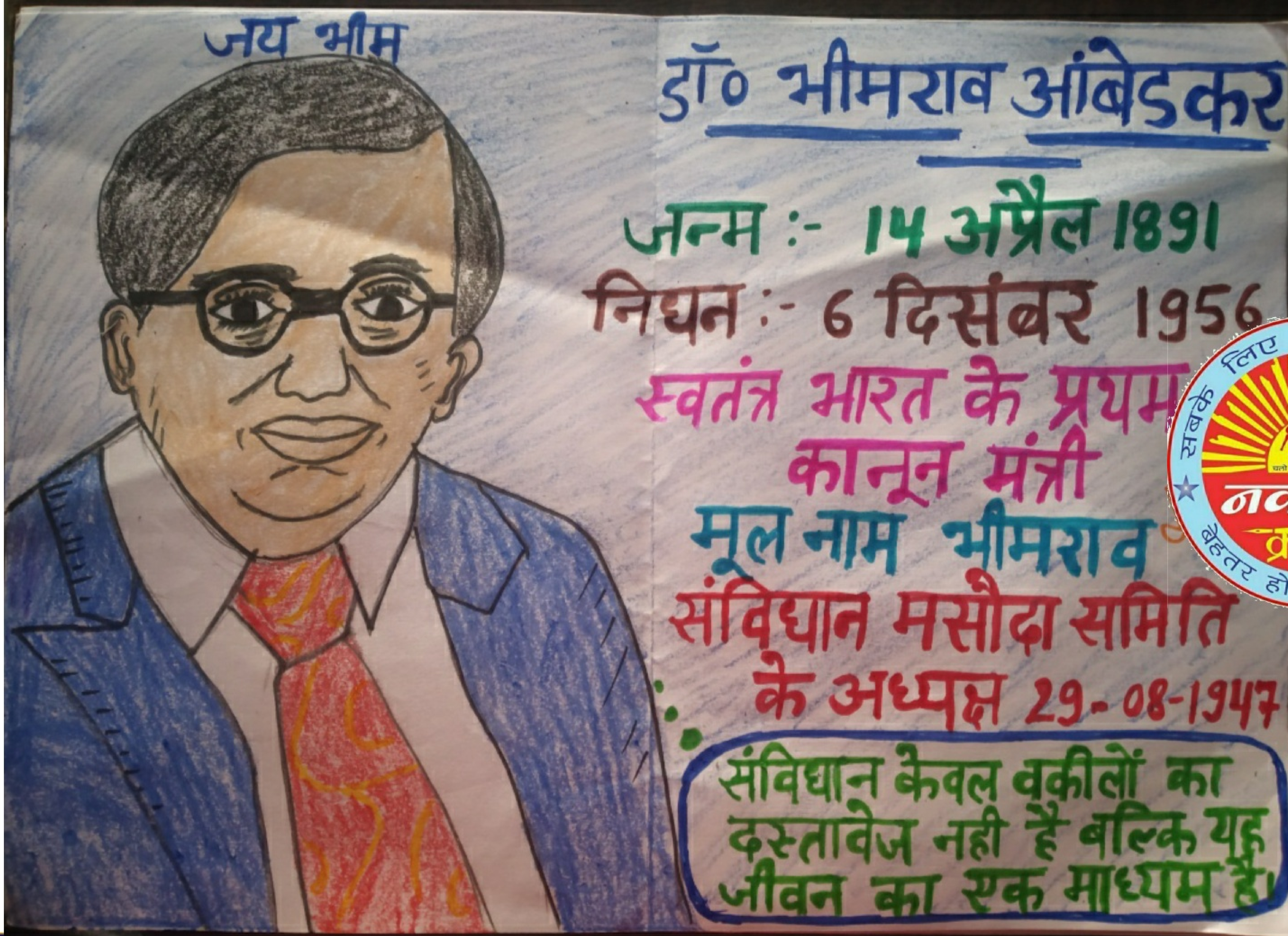

सबके लिए सरकारी शिक्षा बेहतर हो हमारी शिक्षा

स. अमर शहीद भगत सिंह

भगत सिंह (जन्म 28 सितंबर, 1907 मृत्यु 23 मार्च 1931) भारत के एक महान स्वतंत्रता सेनानी क्रांतिकारी थे। चन्द्रशेखर व पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर इन्होने देश की आजादी के लिए ब्रिटिश सरकार का मुकाबला किया। उनके पिता का नाम सरदार किशन सिंह और माता का नाम विधावती कौर था। पहले लाहौर में साण्डर्स की हत्या और उसके बाद दिल्ली की केन्द्रीय संसद में बम विस्फोट किया! 23 मार्च 1931 को इनके दो अन्य साथियो राजगुरु तथा सुखदेव के साथ लाहौर जेल में फाँसी पर लटका दिया गया! आज भी सारा देश उनके बलिदान को सम्मान से याद करता है।

इंकलाब जिंदाबाद

साम्राज्यवाद का नाश हो।

व्यक्तियों को कुचल कर, वे विचारों को नही मार सकते

– भगत सिंह

सबके लिए सरकारी शिक्षा बेहतर हो हमारी शिक्षा

सबके लिए सरकारी शिक्षा बेहतर हो हमारी शिक्षा

सबके लिए सरकारी शिक्षा बेहतर हो हमारी शिक्षा